अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 10 फरवरी 2023
फाल्गुन कृष्ण-चतुर्थी/पंचमी
विक्रम संवत 2079

PAGE NO : 08 MIDDLE

Advertisement

बरेली में ही किडनी ट्रांसप्लांट करवा कर पाएं डायलिसिस की तकलीफों से आजादी

एसआरएमएस में छह किडनी ट्रांसप्लांट, सब सफल

- किडनी ट्रांसप्लांट के लिए अब लखनऊ या दिल्ली जैसे शहरों में जाने की जरूरत नहीं
- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में आसानी से करवाएं किडनी ट्रांसप्लांट
- एसआरएमएस में विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम है मौजूद

क्या हैं किडनी ट्रांसप्लांट के फायदे

- सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जीने की आजादी
- नियमित डायलिसिस कराने और इसकी तकलीफों से मुक्ति
- परहेजपूर्ण आहार से मुक्ति, मनपसंद भोजन करने की आजादी
- क्रोनिक किडनी डिजीज से बचने का एकमात्र सर्वश्रेष्ठ इलाज
- पारिवारिक सुख के साथ मनपसंद जीवन जीने की आजादी
- डायलिसिस वाले मरीजों की तुलना में लम्बे जीवन की आशा

SRMS श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल

बरेली 9458706531, 9458424630

एसआरएमएस की किडनी ट्रांसप्लांट टीम

डा. संजय कुमार, डीएनबी (नेफ्रोलाजी)
डा. चिदानंद झा, डीएनबी (नेफ्रोलाजी)
डा. महेश त्रिपाठी, एमसीएच (यूरोलाजी) एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन
डा. रोहन [illegible], एमसीएच (यूरोलाजी) एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पहला किडनी ट्रांसप्लांट 30 मार्च को सफलतापूर्वक किया गया। जिसमें यहां विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम ने काशीपुर निवासी ओमप्रकाश का किडनी ट्रांसप्लांट किया और उन्हें हफ्ते में तीन बार डायलिसिस की दिक्कतों से आजादी दिलाई। किडनी ट्रांसप्लांट टीम ने शाहजहांपुर के भरत बाजपेयी (28 वर्ष) और हल्द्वानी के धनराज (32 वर्ष), बदायूं के परवेज (38 वर्ष), बरेली निवासी एक अन्य मरीज (मरीज की गोपनीयता रखते हुए) का सफल किडनी ट्रांसप्लांट 21 दिसंबर को किया गया और पीलीभीत के रामकुमार (25 वर्ष) का गुर्दा प्रत्यारोपण कर ट्रांसप्लांट की सफलता को आगे बढ़ाया। राजकुमार का सफल ट्रांसप्लांट पिछले दिनों 14 जनवरी को हुआ। छह किडनी ट्रांसप्लांट की सफलता के बाद अब मरीज गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए लखनऊ या दिल्ली जैसे शहरों में जाने के बजाय एसआरएमएस मेडिकल कालेज पहुंच रहे हैं। यहां किडनी ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी आपरेशन थियेटर, आईसीयू, ऐनेसथेटिस्ट रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट के साथ-साथ ब्लड ट्रांसफ्यूजन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। पोस्ट किडनी ट्रांसप्लांट केयर के लिए ट्रेंड नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम 24 घंटे कार्यरत है।

पीलीभीत के पूरनपुर निवासी रामकुमार (25 वर्ष) पिछले दो वर्ष से किडनी की समस्या से परेशान थे। डॉक्टरों ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी। छोटे भाई विक्रम (23 वर्ष) ने किडनी प्रदान की। एसआरएमएस में 14 जनवरी को आपरेशन हुआ। अब दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

बरेली निवासी एक अन्य मरीज (मरीज की गोपनीयता रखते हुए) का सफल किडनी ट्रांसप्लांट पिछले वर्ष दिसंबर में किया गया। बेटी के जन्म के बाद मरीज का बीपी बढ़ गया जिसका असर किडनी पर पड़ा। डायलिसिस की नौबत आ गई। मरीज के एक सम्बन्धी ने किडनी दी। दोनों व्यक्ति एसआरएमएस मेडिकल कालेज में भर्ती हुए और उनका सफल गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ। अब दोनों मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं।

बदायूं के बिल्सी निवासी परवेज (38 वर्ष) काफी समय से डायलिसिस करवा रहे थे। पत्नी सरवीन (37 वर्ष) ने किडनी देने की इच्छा जताई। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पिछले वर्ष 16 अक्टूबर 2022 को परवेज का सफल किडनी ट्रांसप्लांट हुआ। अब पति पत्नी दोनों स्वस्थ हैं।

बाजपुर (काशीपुर) निवासी ओमप्रकाश सैनी (42 वर्ष) और उनकी बहन किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 27 मार्च को भर्ती हुए। तीस मार्च को आपरेशन किया। इससे ओमप्रकाश को हफ्ते में तीन बार डायलिसिस से मुक्ति मिली। अब ओमप्रकाश और उनकी बहन सुमन स्वस्थ हैं।

शाहजहांपुर निवासी भरत बाजपेयी (28 वर्ष) ने एसआरएमएस पहुंचे। पत्नी सत्यभामा (27 वर्ष) की किडनी उनसे मैच हुई। 9 जून 2022 को दोनों यहां भर्ती हुए और 12 जून को सफलतापूर्वक गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ। अब दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य जीवन यापन कर रहे हैं।

हल्द्वानी निवासी धनराज (32 वर्ष) ने एसआरएमएस में संपर्क किया। बड़ी बहन भावना (34 वर्ष) की किडनी उनसे मैच हुई। दोनों 3 जुलाई 2022 को एसआरएमएस में भर्ती हुए। 6 जुलाई को सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। अब दोनों सामान्य जीवन जी रहे हैं और दोनों स्वस्थ हैं।